आदर्श प्रश्न- पत्र - 3

संकलित परीक्षा - I

विषय - हिंदी 'ब'

कक्षा - दसवी

निर्धारित समय: 3 घण्टे **अधिकतम अंक: 90**

निर्देश:

1. इस प्रश्न-पत्र के चार खंड है -
   खंड क- **20 अंक**
   खंड ख- **15 अंक**
   खंड ग - **30 अंक**
   खंड घ - **25 अंक**
2. चारो खंडो के प्रश्नो के उत्तर देना अनिवार्य है।

खंड-क

(अपठित गद्यांश)

1. **निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर, दिए गए प्रश्नो के उत्तर के विकल्प छाँटकर लिखिए -**

जाकिर साहब ने हिंदी सीखने के लिए अपने सामने गांधी जी का आदर्श रखा था | अपने एक भाषण में उन्होंने कहा था, "उन कामों में जो महात्मा ने अपनी दूरदृष्टि से हमारे देश के लिए, एक हिंदी प्रचार का काम नहीं था | हिंदी गांधी जी की मातृभाषा नहीं थी फिर भी उसे इसलिए फैलाना चाहा था कि उनके विचार में दो बातें साफ़ थीं | एक तो यह कि देश में जो एकता अंग्रेजी भाषा के द्वारा दिखाई देती हैं वह उस वक्त तक चल ही सकती है, जब तक कि थोड़े से लोग पढ़ना-लिखना सीखते हैं और उसके जरिए अपने को औरों से ऊँचा करके उनसे अलग-थलग एक विदेशी का जीवन बिताते हैं | जब देश आजाद होगा और हर बच्चा लिखना-पढ़ना सीखेगा तो वह लिखना-पढ़ना विदेशी भाषा में नहीं हो सकता | देश की भिन्न-भिन्न भाषाओं में होगा और होना भी चाहिए | गांधी जी ने अलग-अलग भाषाएँ बोलने वालों को मिलाने के लिए हिंदी जबान को चुना और फिर इरादा किया कि इसे फैलाएँगे | वे हिंदी अच्छी नहीं बोलते थे, पर हिंदी ही बोली, और इसके माध्यम से लोगों के दिलों के अंदर बस गए |"

13 मई, 1967 को राष्ट्रपति का पद सँभालते हुए उन्होंने कहा था, "सारा भारत मेरा घर है, मैं सच्ची लगन से इस घर को मजबूत और सुंदर बनाने की कोशिश करूँगा ताकि वह मेरे महान देशवासियों का उपयुक्त घर हो जिसमें इंसाफ और खुशहाली का अपना स्थान हो |"

उपर्युक्त गद्यांश को पढ़कर उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दिए गए विकल्पों में से चुनिए |

(क) ज़ाकिर साहब ने हिंदी सीखने के लिए किसे अपना आदर्श बनाया?

(ख) विदेशी भाषा में देश की एकता कब तक चल सकती है? क्यों?

(ग) गांधी जी का हिंदी प्रेम किस प्रकार सिद्ध कर सकते हैं?

(घ) ज़ाकिर साहब ने राष्ट्रपति बनने के बाद जो वक्तव्य दिया उससे क्या पता चलता है?

(ङ) 'अविस्मरणीय' तथा 'विचार' शब्द का एक-एक पर्यायवाची लिखिए |

(च) राष्ट्रपति के पद को स्वीकारते हुए ज़ाकिर हुसैन ने क्या संकल्प लिया था?

2. **निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर, दिए गए प्रश्नो के उत्तरों में से सही विकल्प छांटकर लिखिए।**

सूर्य नित्य लुटाता सोना, ऐसा देश हमारा है |
भूमंडल पर सबसे सुंदर, भारत सबसे न्यारा है |
पर्वतराज हिमालय जिसका, पहरा दे दिन-रात यहाँ |
सागर चरण पखारे अविरल, हर संध्या हर प्रातः जहाँ |
गंगा यमुना सरयू सतलुज
कृष्णा रावी कावेरी
सींचे जिस वसुधा का कण-कण
मातृभूमि शाश्वत मेरी
ब्रह्मपुत्र और नदी गोमती की बहती जलधारा है |
भू-मंडल सबसे सुंदर, भारत सबसे न्यारा है |
आओ, जिस माटी में वीरों, हमने जन्म लिया है |
खाया जिसका अन्न, जहाँ का शीतल नीर पिया है |
छोड़ ईर्ष्या द्वेष, इसी माटी
को शीश झुकाएँ |
सभी अस्त कर जाति-भेद,
सेवा के सुमन चढ़ाएँ |

उपर्युक्त काव्यांश को पढ़कर उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दिए गए विकल्पों में से चुनें |

(क) प्रकृति के कौन-कौन से उपकरण भारतभूमि को किस प्रकार-शाश्वत रूप प्रदान कर रहे हैं?

(ख) अपनी मातृभूमि की सेवा के लिए हमें क्या-क्या करना चाहिए?

(ग) 'जिस माटी में वीरों, हमने जन्म लिया है' इस पंक्ति के द्वारा कवि क्या कहना चाहता है?

(घ) अपने व्यवहार ने किन गुणों को लाकर हम देश के प्रति सेवा-सुमन अर्पित कर सकते है?

खण्ड - ख

(व्याकरण)

3. **निम्नलिखित प्रश्नों का उत्तर निर्देशानुसार दीजिए।**

(क) साँझ हुए और पक्षी नीड़ में आ गए | संयुक्त वाक्य से सरल वाक्य में बदलें |

(ख) बच्चा दौड़ा और मेरे पास आया | संयुक्त वाक्य से सरल वाक्य में बदलें |

(ग) उसने पान खाया और चक्कर खाकर गिर पड़ा | संयुक्त वाक्य से मिश्र वाक्य में बदलें |

(घ) मजदूरों ने गड्ढा खोदा और वे चले गए | संयुक्त वाक्य से मिश्र वाक्य में बदलें |

4. **निम्नलिखित प्रश्नों में समास विग्रह का सही समस्तपद लिखें|**

(क) भाग्य के अधीन

(ख) श्वेत है जो अंबर

(ग) मत का अधिकार

(घ) कमल के समान नयन

5. **नीचे दिए गए रिक्त स्थानों की पूर्ति कोष्ठक में दिए गए उचित मुहावरों से करें |**

(क) साँप को देखकर नेवला उस पर _____ | (झपट पड़ा, गिर पड़ा, टूट पड़ा)

(ख) मैं _____ कहता हूँ कि मेरा भाई पास होगा | (डंके कि चोट पर, दिमाग लगाकर, तलवार खींचकर, तीर मारकर)

(ग) वह जिंदगी भर _____ मगर उसे नौकरी नहीं मिली | (पापड़ खाता रहा, पापड़ बेलता रहा, पापड़ सकता रहा, पापड़ तोड़ता रहा |)

(घ) वजीर अली कर्नल की _____ भाग गया | (हाथ न आया और, हवा उड़ा दी और, आँखों में धूल झोंककर, गिरेबान पकड़कर)

6. **निम्नलिखित मुहावरों को वाक्यो में प्रयोग कीजिए।**

(क) खून खौलना

(ख) तूती बोलना

(ग) हाथ न आना

खण्ड - ग

(पाठ्य-पुस्तक)

7. **निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नो के उत्तर दीजिए-**

जब से कानून भंग का काम शुरू हुआ है तब से आज तक इतनी बड़ी सभा ऐसे मैदान में नहीं की गई थी और यह सभा तो कहना चाहिए कि ओपन लड़ाई थी | पुलिस कमिश्नर का नोटिस निकल चुका था कि अमुक-अमुक धारा के अनुसार कोई सभा नहीं हो सकती | जो लोग काम करने वाले थे उन सबको इन्स्पेक्टेरों के द्वारा नोटिस और सुचना दे दी गई थी कि आप यदि सभा में भाग लेंगे तो दोषी समझे जाएँगे | इस कौंसिल कि तरफ़ से नोटिस निकल गया था कि मोनुमेंट के नीचे ठीक चार बजकर चौबीस मिनट पर झंडा फहराया जाएगा तथा स्वतंत्रता की प्रतिज्ञा पढ़ी जाएगी | सर्वधारण की उपस्थिति होनी चाहिए | खुला चैलेंज देकर ऐसी सभा पहले नहीं कि गई थी |

(क) 'ओपन लड़ाई' से आपका क्या आशय है?

(ख) पुलिस ने क्या नोटिस निकाला था?

(ग) इस सभा की क्या विशेषताएँ थीं?

8. **निम्नलिहित प्रश्नो के संक्षिप्त उत्तर दीजिए-**

(क) बड़े भाई साहब छोटे भाई को क्या सलाह देते थे और क्यों?

(ख) तताँरा की तलवार के बारे में लोगों का क्या मत था?

(ग) तताँरा और वामीरो के गाँव की क्या रीती थी?

9. सुभाष बाबू के जुलूस में क्या हुआ?

10. **निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर लिखिए:**

पावस ऋतू थी, पर्वत प्रदेश,
पल-पल परिवर्तित प्रकृति-वेश |
मेखलाकार पर्वत अपार
अपने सहस्त्र दृग-सुमन फाड़,
अवलोक रहा है बार-बार
नीचे जल में नज महाकार,
-जिसके चरणों में पला ताल
दर्पण-सा फैला है विशाल !

(क) उपर्युक्त पंक्तियों का भाव सौंदर्य स्पष्ट कीजिए |

(ख) उपर्युक्त पंक्तियों का शिल्प सौंदर्य स्पष्ट कीजिए |

(ग) "दर्पण-सा" किसके लिए प्रयोग किया गया है?

11. 'पर्वत प्रदेश में पावस' कविता की विषय-वस्तु अपने शब्दों में व्यक्त करें |
12. लेखक हरिहर काक से कैसे और क्यों जुड़ा है ? हरिहर काका की वर्तमान स्थिति के बारे में लेखक का क्या कहना है?

खण्ड-घ

('लेखन')

13. दिए गए संकेत बिन्दुओ के आधार पर लगभग 80 से 100 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए -

    वृक्ष का महत्त्व

    संकेत-बिंदु : (i) मानव जीवन और वृक्ष (ii) वृक्षों का वैज्ञानिक महत्त्व (iii) वृक्ष का वर्षा कराने एम योगदान |
14. आपके क्षेत्र का डाकिया पत्रों का वितरण बड़ी लापरवाही से करता है | इधर-उधर फेंककर चला जाता है | एक शिकायती पत्र मुख्य डाकपाल को लिखिए |
15. हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण, फरीदाबाद में नर्सिंग होम के लिए जगह नीलाम करना चाहता है | सके लिए नीलामी सूचना तैयार कीजिए |
16. मोनिका और सोनिया के बीच लिंग-भेद पर संवाद |
17. आप अपने स्कूल 'सरस्वती मॉडल स्कूल' जो की उत्तम नगर में स्थित है उसमे नए अकैडमिक सेशन में नए बच्चो के एडमिशन के लिए विज्ञापन तैयार करे।

आदर्श प्रश्न- पत्र - 3

संकलित परीक्षा - I

विषय - हिंदी 'ब'

कक्षा - दसवी

निर्धारित समय: 3 घण्टे **अधिकतम अंक: 90**

खंड-क

(अपठित गद्यांश)

1. **(क)** ज़ाकिर साहब ने हिंदी सीखने के लिए गांधी जी को अपना आदर्श बनाया क्योंकि वे गांधी जी के विचारों से अत्यधिक प्रभावित थे | अतः उनके अधूरे कार्यों को पूरा करना चाहते थे |

   (ख) विदेशी भाषा में देश कि एकता तब तक चल सकती है, जब तक कि थोड़े से लोग पढ़ना-लिखना सीखते हैं और उसके जरिए स्वयं को औरों से ऊँचा करके उनसे अलग-थलग एक विदेशी का जीवन बिताते हैं, क्योंकि देश का प्रत्येक बच्चा विदेशी भाषा में शिक्षा ग्रहण नहीं कर सकता |

   (ग) गांधी जी का हिंदी प्रेम इस बात से स्वतः सिद्ध होता है कि वे गुजराती भाषी होते हुए हिंदी बोलते थे और उसी के प्रचार-प्रसार के लिए उन्होंने ताउम्र मेहनत की |

   (घ) ज़ाकिर साहब ने राष्ट्रपति बनने के बाद जो वक्तव्य दिया उससे पता चलता है कि ज़ाकिर साहब एक सच्चे देशभक्त थे और हमेशा भारत की भलाई के बारे में सोचते थे |

   (ङ) उल्लेखनीय तथा दृष्टिकोण |

   (च) राष्ट्रपति पद को स्वीकारते हुए ज़ाकिर हुसैन ने सारे भारत को अपना घर मानकर सच्ची लगन से इसे मज़बूत और सुंदर बनाकर उसमें इंसाफ और खुशहाली सुनिश्चित करने का संकल्प लिया |

2. **(क)** प्राकृतिक उपकरण सूरज नित्य सोना लुटाता है | पर्वतराज हिमालय रक्षक का कार्य करता है, सागर भारत के पैरों को धोता है, यहाँ प्रवाहित सदानीर विभिन्न नदियाँ खेतों को सींचती हैं तथा यहाँ की मिट्टी हमें अन्न का दान देती है | सूरज, पर्वत, सागर, नदियाँ, तथा मिट्टी सभी मिलकर भारत को शाश्वत रूप प्रदान करते हैं|

   (ख) अपनी मातृभूमि की सेवा के लिए हमें ईर्ष्या-द्वेष की भावना से ऊपर उठकर निःस्वार्थ भाव से सबकी सेवा करनी चाहिए |

   (ग) प्रश्नोक्त पंक्ति के माध्यम से कवि ने यह कहना चाहा है कि हमारी मिट्टी बहुत महान है| इसमें अनेक शूरवीर एवं ज्ञानी उत्पन्न हुए अर्थात् वह यहाँ कि मिट्टी का महिमामंडित करना चाहता है|

   (घ) हम अपने व्यवहार में सेवा भाव लाकर, ईर्ष्या-द्वेष तथा जाति-पाँति की भावना से ऊपर उठकर समाज में समरूपता लाकर अपने देश को सेवा सुमन अर्पित कर सकते हैं|

खण्ड - ख

(व्याकरण)

3. **(क)** साँझ होते ही पक्षी नीड़ में आ गए |

   (ख) बच्चा दौड़कर मेरे पास आया |

(ग) उसने जैसे ही पान खाया, वैसे ही चकरा कर गिर पड़ा |

(घ) जब मजदूरों ने गड्ढा खोद लिया तब वे चले गए |

4. **(क)** भाग्याधीन

   (ख) श्वेतांबर

   (ग) मताधिकार

   (घ) कमलनयन

5. **(क)** टूट पड़ा |

   (ख) डंके की चोट पर |

   (ग) पापड़ बेलता रहा |

   (घ) आँखों में धूल झोंककर |

6. **(क)** मैच हारने के कारण पवन का खून खौल उठा।

   (ख) तरुण की उसकी गाँव में उसके नाम की तूती बोलती है।

   (ग) अंश क्लास में किसी के हाथ में नही आया।

खण्ड - ग

(पाठ्य-पुस्तक)

7. **(क)** स्वतंत्रता प्राप्ति के लिए सरकारी कानून की अवज्ञा करने को 'ओपन लड़ाई' कहा गया था |

   (ख) पुलिस कमिश्नर ने कानून की कुछ धाराओं का हवाला देते हुए नोटिस निकाला था कि मोनुमेंट के नीचे होने वाली सभा गैर-कानूनी है | इसमें भाग लेने वाले को दोषी समझा जाएगा तथा उसके खिलाफ सरकारी कार्यवाही की जाएगी |

   (ग) सरकार के कानून को खुली-चुनौती देना तथा इस मैदान में इससे बड़ी सभा का पहले कभी न होना इस सभा की प्रमुख विशेषताएँ थीं |

8. **(क)** बड़े भाई साहब छोटे भाई को दिन-रात पढ़ने की सलाह देते थे | उनकी इच्छा थी कि जिस प्रकार वे हर समय पढ़ते रहते हैं, उसी प्रकार उनका छोटा भाई भी अपना सारा ध्यान पढ़ाई में लगाए | उन्हें अपने छोटे भाई का खेलना और इधर-उधर घूमना अच्छा नहीं लगता था | बड़े भाई साहब चाहते थे कि उनका छोटा भाई पढ़-लिखकर विद्वान बने |

   (ख) तताँरा की तलवार यद्यपि लकड़ी की थी, पर इसके बावजूद लोगों का मानना था कि उस तलवार में अद्भुत दैवीय शक्ति थी| तताँरा तलवार को कभी अपने से लग होने नहीं देता था| लोग यह मानते थे कि तताँरा अपने साहसिक कारनामे इसी तलवार के कारण ही कर पाता है| उसमें बड़ी शक्ति थी|

   (ग) तताँरा और वामीरो के गाँव की यह रीती थी कि विवाह के लिए लड़के-लड़की का एक ही गाँव का होना जरूरी था | दूसरे गाँव के युवक के साथ संबंध असंभव था |

9. ठीक चार बजकर दस मिनट पर सुभाष बाबू जुलूस लेकर आए | उनको चौरंगी पर ही रोका गया, पर भीड़ की अधिकता के कारण पुलिस जुलूस को रोक नहीं स्की | मैंदान के मोड़ पर पहुँचते ही पुलिस ने लाठियाँ चलानी शुरू कर दिन, बहुत आदमी घायल हुए, सुभाष बाबू पर भी लाठियाँ पड़ीं | सुभाष बाबू बहुत जोरों से वंदेमातरम् बोल रहे थे | ज्योतिर्मय गांगुली ने सुभाष बाबू से कहा, आप इधर आ जाइए |

पर सुभाष बाबू ने कहा, आगे बढ़ना है | यह सब तो अपनी सुनी हुई लिख रहे हैं पर सुभाष बाबू का और अपना विशेष फासला नहीं था | सुभाष बाबू बड़े जोरों से वंदेमातरम् बोलते थे, यह अपनी आँख से देखा | पुलिस भयानक रूप से लाठियाँ चला रही थी | क्षितीश चटर्जी का फटा हुआ सिर देखकर तथा उसका बहता हुआ खून देखकर आँख मिंच जाती थी | इधर यह हालत हो रही थी कि उधर स्त्रियाँ मोनुमेंट की सीढ़ियों पर चढ़ झंडा फहरा रही थीं और घोषणा पढ़ रही थीं | स्त्रियाँ बहुत बड़ी संख्या में पहुँच गई थीं | प्रायः सबके पास झंडा था | जो वालेंटियर गए थे वे अपने स्थान से लाठियाँ पड़ने पर भी हटते नहीं थे | सुभाष बाबू को पकड़ लिया गया और गाड़ी में बैठाकर लाल बाज़ार लॉकअप में भेज दिया गया |

10. **(क)** उपरोक्त काव्यांश में कवि ने वर्षा ऋतू में पहाड़ों जे मनोरम दृश्य का वर्णन किया है | इसमें कवि ने प्रकृति के प्रतिपल बदलते रूप का मनोरम चित्रण किया है | काव्यांश में मंडलाकार पर्वत जल में अपना प्रतिबिंब देखकर मुग्ध हां जान पड़ता है | उस पर्वत के पाँवों अर्थात् नीचे एक विशाल तालाब था जिसका जल दर्पण के समान स्वच्छ और पारदर्शी थे जिसमें पर्वत अपना प्रतिबिंब निहार रहा था |
    (ख) प्रश्नोक्त पंक्तियों में प्रकृति का मानवीकरण कर कवि ने प्रकृति के विभिन्न उपालंभों का सजीव चित्र खींचा है | पर्वत का आँखें फाड़कर देखना एक मानवीय क्रिया है | काव्यांश में खड़ी बोली का प्रयोग हुआ है, भाषा, सरल, सरस एवं बोधगम्य है | कुछ संस्कृतनिष्ठ विभिन्न अलंकारों का प्रयोग अत्यंत चतुराई से किया है | 'दृग सुमन' में रूपक, 'पर्वत प्रदेश' में अनुप्रास, 'पल-पल एवं बार-बार' में पुनरुक्ति प्रकाश तथा 'दर्पण-सा' में उपमा अलंकार का प्रयोग दर्शनीय है |
    (ग) काव्यांश में दर्पण-सा अर्थात् दर्पण की उपमा पर्वत के नीचे फैले सरोवर के लिए दिया गया है|

11. इस कविता में पावस (वर्षा) ऋतू में पर्वतीय क्षेत्र के क्षण-क्षण परवर्तित होते सौंदर्य की मनोरम झाँकी प्रस्तुत की गई है | मेखलाकार पर्वत अपने ऊपर खिले फूलों के दृगों के माध्यम से चरणों में स्थित तालाब के जल में अपनी शोभा को निहारता दिखाई देता है | तालाब का जल दर्पण कि भाँति है | पर्वत-प्रदेश के झरने झर-झर कर नाद करते रहते हैं | ये झरने पर्वतों का यशोगान करते प्रतीत होते हैं | झरनों के स्वर में नई मस्ती, जोश तथा उत्साह है | इन झरनों की बूँदें मोतियों के हार के समान लगते हैं | ऊँचे पर्वत पर उगे वृक्ष पर्वत के हृदय में पल रही महत्त्वाकांक्षाओं के समान हैं | ये वृक्ष नीले आकाश को एकटक निहारते रहते हैं | इन्हें देखकर लगता है कि ये किसी चिंता में डूबे हुए हैं | तभी अचानक विशालकाय पर्वत धुंध में गायब हो जाता है | ऐसा लगता है कि पर्वत बादलों के पंख लगाकर उड़ गया है | कभी ऐसा प्रतीत होता है कि नीला आकाश टूटकर पृथ्वी पर गिर पड़ा है | वातावरण में चारों ओर गहरी धुंध छा जाती है | इसमें पर्वत, तालाब सब गायब हो जाते हैं | ऐसा लगता है कि तालाब में आग लग गई और उसी का धुआँ उठ रहा है | ये सब दृश्य जादुई प्रतीत होते हैं | लगता है जैसे इंद्र ये सब जादू दिखा रहा है | यहाँ कवि प्रकृति के अद्भुत बिंब प्रस्तुत करता है |

12. इस संबंध में लेखक बताता है कि हरिहर काका की जिंदगी से वह बहुत गहरे से जुड़ा है | अपने गाँव में जिन चंद लोगों को वह सम्मान देता है, उनम हरिहर काका भी एक हैं | हरिहर काका के प्रति उसके लगाव के अनेक व्यावहारिक और वैचारिक कारण हैं | उनमें प्रमुख दो हैं | एक तो यह कि हरिहर काका

लेखक के पड़ोस में रहते हैं और दूसरा कारण यह है कि लेखक की माँ बताती है, हरिहर काका बचपन में उसे बहुत दुलार करते थे | अपने कंधे पर बैठा कर घुमाया करते थे | एक पिता अपने बच्चे को जितना प्यार करता है, उससे कहीं ज्यादा प्यार हरिहर काका उसे करते थे और जब में बड़ा हुआ तब लेखक की पहली दोस्ती हरिहर काका के साथ ही हुई | हरिहर काका के साथ ही हुई | हरिहर काका ने भी जैसे लेखक से दोस्ती के लिए ही इतनी उम्र तक प्रतीक्षा की थी | माँ बताती है कि लेखक से पहले गाँव में किसी से गहरी दोस्ती नहीं हुई थी | वह लेखक से कुछ भी नहीं छिपाते थे | खूब खुलकर बातें करते थे | लेकिन फिलहाल लेखक से भी कुछ कहना उन्होंने बंद कर दिया है | उनकी इस स्थिति ने लेखक को चिंतित कर दिया है | जैसे कोई नाव बीच मझधार दूर तक फैले सागर के बीच उठती-गिरती लहरों में विलीन हो जाने के अतिरिक्त कर ही क्या सकती है ? मौन होकर जल-समाधि लेने के अतिरिक्त कोई दूसरा विकल्प नहीं | लेकिन मन इसे मानने को कतई तैयार नहीं | जीने की ललसा की वजह से बैचेनी और छटपटाहट बढ़ गई हो, कुछ ऐसी ही स्थिति के बीच हरिहर काका घिर गए हैं |

खण्ड-घ

('लेखन')

13. वृक्ष का महत्त्व

मानव सभ्यता ने संस्कृति के विकास की दशा में कदम बढाती हुए गुफाओं से बाहर निकल और वृक्षों से नीचे उतरकर जब झोपड़ियों का निर्माण आरंभ किया, तब वृक्षों की शाखाएँ-पत्ते सहायक सामग्री बने ही, बाद में मकानों-भवनों की परिकल्पना सकार करने के लिए भी वृक्षों की लकड़ी का भरपूर किया गया | घरों को सजाने का काम तो आज भी वृक्षों की लकड़ी से ही क्या जा रहा है | हमें अनेक प्रकार के फल-फूल और औषधियाँ भी वृक्षों से प्राप्त होती ही हैं, कई तरह की वनस्पतियों का कारण भी वृक्ष ही हैं | इतना ही नहीं, वृक्षों के कारण ही हमें वर्षा-जल एवं पेयजल आदि कि प्राप्ति हो रही है | वृक्षों कि पत्तियाँ धरती के जल का शोषण कर सूर्य-किरणें और प्रकृति बादलों को बनाती है और वर्षा कराया करती हैं | कल्पना कीजिए, निहित स्वार्थी मानव जिस बेहरमी से वनों को काटता जा रहा है, यदि उस क्षति की पूर्ति के लिए साथ-साथ वृक्षारोपण न होता रहे, तब धरती के एकदम वृक्ष शून्य हो जाने कि स्थिति में मानव तो क्या, समूची जीव-सृष्टि की क्या दशा होगी ? निश्चय ही स्वतः ही जलकर राख का ढेर बन और उड़कर अतीत की भूली-बिसरी कहानी बनकर रह जाएगी |

14. प्रति,

मुख्य डाकपाल,

मुख्य डाकघर,

दिल्ली |

विषय- पश्चिम विहार-IV क्षेत्र वितरण में हो रही लापरवाही की शिकायत |

महोदय,

नम्र निवेदन यह है कि पश्चिम विहार क्षेत्र का डाकिया श्रवण कुमार डाक वितरण में बहुत लापरवाही करता है | वह नाम और पता देखे बिना पत्र दरवाजे पर फेंक कर चला जाता है | परिणामस्वरूप, दूसरों के पत्र हमारे यहाँ आते हैं और हमारे पत्र दूसरे लोग देकर जाते हैं |

यह डाकिया डाक देने में देरी भी करता है | बिजली व टेलीफोन के बिल नियत तारीख निकल जाने के बाद मिलते हैं | उसकी लापरवाही का खामियाजा हमें भुगतना पड़ता है तथा मानसिक परेशानी व आर्थिक नुकसान उठाने पड़ते हैं |

यह डाकिया कीमती तोहफों को गायब भी कर देता है | आपसे निवेदन है कि आप इस कर्मचारी के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही करें |

भवदीय

डॉ. मोहित राजपूत

206, पश्चिम विहार-V

नई, दिल्ली |

15. **हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण**

फरीदाबाद में नर्सिंग होम/क्लीनिक

कि नीलामी की घोषणा करता है

स्थल का विवरण

नर्सिंग होम अस्थायी क्षेत्र 500 वर्ग गज

सेक्टर 3

स्थल संख्या 2

नियम एवं शर्तें: (नर्सिंग होम/क्लीनिक)

* यह स्थल पूर्ण स्वामित्व पर आधारित है | आबंटी को कब्जे की पेशकश के 2 वर्षों के भीतर नर्सिंग हिम/क्लीनिक का निर्माण कार्य निष्पन्न करना होगा | बोली राशि का 10% अंश बोली छूटते ही नगद या संपदा अधिकारी, हुड्डा, फरीदाबाद के पक्ष में डिमांड ड्राफ्ट के रूप में जमा करवाना होगा तथा अभीष्ट बोलीदाता को नीलामी में भाग लेने से पूर्व 100000/- रुपे धरोहर राशि के रूप में जमा करवाने होंगे जो कि नीलामी के पश्चात् लौटा दिए जाएँगे | नीलामी की पूर्ण राशि आवंटन पत्रजारी होने की तिथि से 30 दिनों के भीतर डे होगा |

नीलामी की तिथि . . . . . को पूर्वाह्न 10.00 बजे

स्थान: हुड्डा कार्यालय परिसर

सेक्टर-12, फरीदाबाद

ह० ..... ह०.....

संपदा अधिकारी, हुड्डा, फरीदाबाद प्रशासक, हुड्डा, फरीदाबाद

16. **मोनिका -** लडके-लड़की में अंतर समझना हमारी मानसिकता है|

सोनिया - पर यह गलत है|

मोनिका - कैसे?

सोनिया - अब निर्मला को ही लो|

मोनिका - कौन निर्मला?

सोनिया - प्रेमचंद जी के उपन्यास की 'निर्मला' तड़प-तड़प कर, सिसक-सिसक कर मरी |

मोनिका - सच ! यदि कल्याणी निर्मला पर थोड़ा पैसा खर्च कर देती तो निर्मला कि ऐसी दुर्दशा नहीं होती|

सोनिया - पैसा तो कल्याणी अपने पुत्रों के लिए रखती थी |

मोनिका - फिर हुआ न पुत्र-पुत्री में अंतर |

17.

सरस्वती मॉडल स्कूल

उत्तम नगर

प्रवेश प्रारम्भ

- स्मार्ट क्लास
- तकनीकी शिक्षा की व्यवस्था
- योग्य तथा शिक्षित शिक्षक
- नर्सरी से बारवी तक के लिए शिक्षा व्यवस्था

नोट: प्रवेश केवल दिनांक 12 मार्च से 30 मार्च तक।
फॉर्म विद्यालय के रूम नंबर 15 में उपलब्ध है।